४ संयुक्त राष्ट्र

इस अध्याय में नया क्या सीखने वाले हैं? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति एवं सुरक्षा हो इसलिए संयुक्त राष्ट्र नामक अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थापित किया गया। इस संगठन के उद्देश्य, तत्त्व, रचना और शांति रक्षा की उसकी भूमिका इनका अध्ययन प्रस्तुत अध्याय में करना है।

संयुक्त राष्ट्र : पार्श्वभूमि

बीसवीं शताब्दी के आरंभ में दो विश्वयुद्ध हुए। इन विश्वयुद्धों के कारण बड़ी मात्रा में जीवित एवं धन हानि हुई। इस कारण वैश्विक शांति स्थापित करने हेतु एक कार्य प्रणाली निर्मित की जानी चाहिए इस दृष्टि से प्रथम विश्वयुद्ध के बाद राष्ट्रसंघ और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र इनकी अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना की गई। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद स्थापित हुए राष्ट्रसंघ को अधिक सफलता नहीं मिल पाई। किंतु दूसरे विश्वयुद्ध में अणुबम का उपयोग होने के बाद इस तरह के विनाशकारी युद्ध रोकने चाहिए यह सभी राष्ट्रों की सामूहिक जिम्मेदारी है, यह विचार सामने आया। दूसरा विश्वयुद्ध समाप्त होने के बाद इस तरह की भावना सभी राष्ट्रों में निर्माण करने हेतु संयुक्त राष्ट्र संगठन की स्थापना की गई।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का कालक्रम

दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान १४ अगस्त १९४१ को इंग्लैंड के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और अमेरिका के अध्यक्ष फ्रैंकलिन डी. रुजवेल्ट इन दोनों में एटलांटिक समझौता हुआ। इस समझौते के अनुसार युद्ध समाप्त हो जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा निर्माण करने हेतु एक स्थायी व्यवस्था निर्माण करने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय पर वर्ष १९४४ और १९४५ में हुए मित्र राष्ट्रों की परिषद में विस्तृत चर्चा की गई तथा उसके अनुसार अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थापित करने के समझौता का मसौदा तैयार किया गया। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में वर्ष १९४५ में पचास राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने विस्तारपूर्वक चर्चा कर संयुक्त राष्ट्र की सनद तैयार की। इस सनद पर हस्ताक्षर कर युद्ध समाप्त होते ही २४ अक्तूबर १९४५ को 'संयुक्त राष्ट्र' संगठन की स्थापना की गई। संयुक्त राष्ट्र प्रभुत्व संपन्न राष्ट्रों का संगठन है।

बताइए तो?

- क्या युद्ध काल में हुई परिषद में भारत सहभागी हुआ था?
- संयुक्त राष्ट्र दिवस के रूप में कौन-सा दिन मनाया जाता है?

संयुक्त राष्ट्र संगठन के उद्देश्य

संयुक्त राष्ट्र विश्व का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय संगठन है। आरंभ में केवल ५० देश इस संगठन के सदस्य थे। आज यह संख्या १९३ हो गई है। ये सभी राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र के मंच पर एकत्रित होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के कुछ निश्चित उद्देश्य हैं। संक्षेप में कहा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संगठन विश्वशांति के लिए आवश्यक सभी उपाययोजना करता है।

- राष्ट्रों में मैत्रीपूर्ण संबंध प्रस्थापित करना।
- अंतरराष्ट्रीय प्रश्नों को शांति पूर्ण मार्ग से हल कर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ाना।
- मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रता का संरक्षण तथा संवर्धन करना।

इसी के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक सहयोग बढ़ाना भी संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य है।

प्रभुत्व संपन्न राष्ट्रों के राजनैतिक विशेषाधिकारों

का आदर करना, दूसरे देश पर आक्रमण न करना, अंतरराष्ट्रीय कानून तथा समझौते का पालन करना सभी सदस्य राष्ट्रों का कर्तव्य है।

संयुक्त राष्ट्र प्रभुत्व संपन्न राष्ट्रों द्वारा एकत्रित होकर निर्माण किया गया संगठन है। अतः वह कुछ तत्त्वों या नियमों पर आधारित है। संक्षेप में ये तत्त्व निम्न प्रकार से हैं।

संयुक्त राष्ट्र के तत्त्व

१. सभी सदस्य राष्ट्रों का स्तर समान होगा। भौगोलिक आकार, आर्थिक तथा सैन्य शक्ति के आधार पर राष्ट्रों के बीच भेदभाव नहीं किया जाता।

२. संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राष्ट्रों को एक-दूसरे की स्वतंत्रता और भौगोलिक एकात्मता का आदर करना होगा।

३. सभी सदस्य राष्ट्र अपने अंतरराष्ट्रीय विवाद, पारस्परिक विवाद शांतिपूर्ण मार्ग से हल करें।

क्या निम्न प्रश्नों के उत्तर देंगे?

- क्या अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा निर्माण हो जाने पर संयुक्त राष्ट्र सशस्त्र हस्तक्षेप कर सकता है?
- मानवाधिकारों तथा स्वतंत्रता के संवर्धन के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कौन-से कदम उठाए हैं?

संयुक्त राष्ट्र की रचना : संयुक्त राष्ट्र की सनद में इस संगठन की रचना तथा कार्य प्रणाली के संबंध में जानकारी दी गई है।

संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंग अथवा शाखाएँ हैं।

(१) आमसभा (२) सुरक्षा परिषद (३) आर्थिक और सामाजिक परिषद (४) अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (५) न्यास मंडल (६) सचिवालय।

संयुक्त राष्ट्र – आमसभा

इन छह शाखाओं के अतिरिक्त संयुक्त राष्ट्र के कार्य में सहायता करने वाली संयुक्त राष्ट्र की अनेक संलग्न संस्थाएँ हैं। उन्हें विशेष कार्यात्मक संस्था कहते हैं। विशिष्ट कार्यक्षेत्र में काम करने वाली ये संस्थाएँ विश्व के राष्ट्रों को उन कार्यों में सहायता करती हैं। अंतरराष्ट्रीय मजदूर संगठन (ILO), अन्न तथा कृषि संगठन (FAO), विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), विश्व बैंक (WB), अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (IMF), संयुक्त राष्ट्र बाल आपात कोष (UNICEF), संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संघ (UNESCO) ऐसी कुछ महत्त्वपूर्ण संस्थाएँ हैं।

आमसभा : संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश आमसभा के सदस्य होते हैं। देश अमीर हो या गरीब, बड़ा हो या छोटा, सभी सदस्य राष्ट्रों का स्थान और स्तर समान होता है। अर्थात प्रत्येक राष्ट्र के पास एक मत होता है। प्रतिवर्ष सितंबर से दिसंबर की कालावधि में आमसभा का अधिवेशन होता है। इस अधिवेशन में पर्यावरण, निरस्त्रीकरण जैसे महत्त्वपूर्ण वैश्विक विषयों पर चर्चा होती है। आमसभा के निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं। ये निर्णय प्रस्ताव के स्वरूप में होते हैं। अर्थात आमसभा केवल प्रस्ताव पारित करती है। कानून नहीं बनाती। सदस्य राष्ट्रों के प्रतिनिधियों को एकत्रित होकर चर्चा करने के लिए, महत्त्वपूर्ण वैश्विक प्रश्नों पर नीति निर्धारण करने हेतु एक मंच के रूप में आमसभा का महत्त्व है।

आमसभा के कार्य

(१) सुरक्षा समिति के अस्थायी सदस्यों का चयन करना।

(२) सुरक्षा परिषद के साथ संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों का चयन करना।

(३) संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक अनुमान पत्र को मान्यता देना।

संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। अंग्रेजी, फ्रैंच, रूसी, स्पैनिश, चीनी और अरबी संयुक्त राष्ट्र की अधिकृत भाषाएँ हैं।

सुरक्षा परिषद : सुरक्षा परिषद में कुल १५ सदस्य होते हैं। उनमें से ५ सदस्य स्थायी और १० सदस्य अस्थायी स्वरूप के होते हैं। अस्थायी सदस्यों का चुनाव प्रति दो वर्षों में आमसभा करती है। अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस और चीन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं। उन्हें नकाराधिकार का अधिकार है। किसी भी महत्त्वपूर्ण प्रश्न पर निर्णय लेने के लिए ५ स्थायी सदस्य और कम से कम ४ अस्थायी सदस्यों का 'हाँ' करना आवश्यक होता है। स्थायी सदस्यों में से किसी भी सदस्य ने यदि नकाराधिकार का उपयोग किया अर्थात विरोध में मत दिया तो निर्णय लिया नहीं जा सकता।

सुरक्षा परिषद के कार्य

(१) अंतरराष्ट्रीय शांति एव सुरक्षा प्रस्थापित रखना सुरक्षा परिषद की मुख्य जिम्मेदारी है। अंतरराष्ट्रीय संघर्ष की परिस्थिति में संघर्ष समाप्त कर शांति प्रस्थापित करने के लिए प्रयत्न करना, आर्थिक प्रतिबंध लादना अथवा आक्रमक राष्ट्रविरोध में सैनिकी कार्रवाई करने का निर्णय लेना इनमें से कोई एक विकल्प सुरक्षा परिषद सुझाती है।

(२) सुरक्षा परिषद शस्त्रास्त्र नियंत्रण के लिए योजना तैयार करने का काम करती है।

(३) आमसभा के साथ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव का चयन करने में सुरक्षा परिषद का सहभाग होता है।

सुरक्षा परिषद की रचना में परिवर्तन हो और उसका स्वरूप अधिक लोकतांत्रिक हो इस दृष्टि

से वर्तमान में संशोधन सुझाए जा रहे हैं। सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता प्राप्त हो इसके लिए भारत प्रयत्नशील है।

आर्थिक तथा सामाजिक परिषद : संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक नीतियों में समन्वय बनाए रखना इस परिषद का मुख्य उद्देश्य है। इस परिषद में कुल ५४ सदस्य होते हैं। आमसभा इनका चयन करती है। प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल ३ वर्षों का होता है तथा प्रति वर्ष एक तिहाई सदस्य नए सिरे से चुने जाते हैं। परिषद में बहुमत से निर्णय लिए जाते हैं।

कार्य

(१) वैश्विक स्तर पर दरिद्रता, बेरोजगारी, आर्थिक तथा सामाजिक विषमता जैसे प्रश्नों पर चर्चा करना तथा उपाय सुझाना।

(२) स्त्रियों के प्रश्न, महिला सशक्तीकरण, मानवाधिकार, मूलभूत स्वतंत्रता, वैश्विक व्यापार, स्वास्थ्य संबंधी समस्या जैसे प्रश्नों पर चर्चा कर निर्णय लेना।

(३) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक तथा शैक्षिक सहयोग प्रस्थापित करने का प्रयत्न करना।

(४) संयुक्त राष्ट्र से संलग्न विविध संगठनों के कामों में सूत्रबद्धता और समन्वय रखना।

सचिवालय : संयुक्त राष्ट्र के प्रशासकीय कामकाज सँभालने का दायित्त्व सचिवालय पर है। सचिवालय के प्रमुख को महासचिव कहते हैं। उनका चयन आमसभा और सुरक्षा परिषद करती है। उनका कार्यकाल पाँच वर्षों का होता है।

कार्य

(१) जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार, निरस्त्रीकरण जैसे वैश्विक प्रश्नों पर अंतरराष्ट्रीय परिषद आयोजित करना।

(२) आमसभा तथा सुरक्षा परिषद की सभा आयोजित करना।

(३) जानकारी संकलन करना।

(४) प्रसार माध्यमों को जानकारी की आपूर्ति करना।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय : अंतरराष्ट्रीय न्यायालय अर्थात संयुक्त राष्ट्र की न्यायालयीन शाखा। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय नीदरलैंड देश में 'द हेग' में है। न्यायालय में कुल १५ न्यायाधीश होते हैं। उनका चयन आमसभा और सुरक्षा परिषद करती है। प्रत्येक न्यायाधीश का कार्यकाल ९ वर्षों का होता है।

कार्य

(१) संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों में दो या अधिक राष्ट्रों के आपसी विवाद मिटाना।

(२) अंतरराष्ट्रीय कानून का उचित अर्थ लगाना।

(३) संयुक्त राष्ट्र की विविध शाखाओं या संलग्न संस्थाओं को कानून संबंधी प्रश्नों पर सलाह देना।

लेखन कीजिए ।

- अब तक के महासचिवों के नाम लिखिए।
- क्या महासचिव को महासत्ता का नागरिक होना बंधनकारी है?
- किस राष्ट्र के नागरिकों को महासचिव पद के लिए प्रधानता दी जाती है?
- वर्तमान महासचिव कौन हैं तथा वे किस देश के हैं?

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय : अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय अंतरशासकीय संगठन है और एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण है, जिसका मुख्यालय नीदरलैंड देश में 'द हेग' में है। वंश संहार, युद्धकालीन अपराध और मानवतावाद के विरुद्ध अपराध जैसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता उपस्थित करने वाले गंभीर अपराध में समाहित व्यक्ति के अपराधों की जाँच करना और उस पर मुकदमा (अभियोग) चलाने का काम यह न्यायालय करता है।

न्यासी मंडल : दूसरे विश्वयुद्ध के बाद के काल में जो प्रदेश या उपनिवेश अविकसित थे, उनके विकास का दायित्त्व कुछ विकसित राष्ट्रों पर सौंपा गया था। उन विकसित राष्ट्रों द्वारा ऐसे प्रदेशों के विकास में सहायता करना तथा उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त करने तथा वहाँ लोकतंत्र की स्थापना करने में सहायता करना अपेक्षित था और उनका उत्तरदायित्व न्यासी मंडल को सौंपा गया था। इस न्यासी मंडल का कार्य अब समाप्त हो चुका है।

न्यासी मंडल का कार्य १ नवंबर १९९४ को पलाऊ देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद समाप्त हो गया। पलाऊ फिलिपीन्स राष्ट्र के ५०० मीटर पूर्व में स्थित प्रशांत महासागर का एक द्वीप है।

स्थायी स्वरूप के विकास उद्देश्य:

संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राष्ट्रों ने वर्ष २००० में एकत्रित होकर नए स्थायी स्वरूप के विकास उद्देश्य निश्चित किए। उनमें से कुछ महत्त्वपूर्ण उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

- गरीबी व भूख का निर्मूलन करना।
- प्राथमिक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध करवाना।
- स्त्री सशक्तीकरण करना, बालमृत्यु की दर कम करना।
- गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देना।
- एड्स, मलेरिया आदि रोगों से लड़ना।
- पर्यावरण की रक्षा और विकसित तथा विकासशील देशों में सहयोग बढ़ाना।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निश्चित कालावधि निर्धारित की गई।

यूनिसेफ और यूनेस्को की सहायता से भारत ने स्थायी स्वरूप के विकास उद्देश्यों के लक्ष्य को प्राप्त करने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

संयुक्त राष्ट्र बाल आपात कोष अर्थात यूनिसेफ (UNICEF) यह संयुक्त राष्ट्र की संलग्न संस्था है। छोटे बच्चों को पौष्टिक आहार तथा स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए यूनिसेफ कार्य करती है। यूनिसेफ की सहायता से भारत में बाल कुपोषण की समस्या पर उपाययोजना करने के लिए विविध कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं।

यूनेस्को (UNESCO) इस संयुक्त राष्ट्र से संलग्न इस संस्था की सहायता से शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति में सहयोग बढ़ाकर विश्व में शांति और सुरक्षा स्थापित करने का प्रयत्न किया है।

संयुक्त राष्ट्र और शांति रक्षा

संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को शांतिपूर्ण मार्ग से हल करना है। इस उद्देश्य को साध्य करने के लिए कौन-से मार्ग अपनाए जाए, यह संयुक्त राष्ट्र की सनद में कहा गया है। जिन राष्ट्रों में संघर्ष है उन राष्ट्रों को मान्य हो ऐसा कोई मध्यस्थ नियुक्त करना, न्यायिक प्रक्रिया का उपयोग करना, संघर्ष सुलझाने के लिए मध्यस्थी प्राधिकरण स्थापित करना, आवश्यकता होने पर सैन्य शक्ति का उपयोग करना तथा पुनः संघर्ष न हो इसकी सावधानी रखना आदि मार्गों का इसमें समावेश है। आधुनिक काल में आतंकवाद, वंशवाद तथा धार्मिक संघर्ष के कारण मानवीय सुरक्षा के लिए खतरा निर्मित हो गया है। अतः संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षा के कार्य को महत्त्व प्राप्त हो गया है। संघर्षग्रस्त प्रदेश में पुनः हिंसा न भड़के तथा शीघ्रतिशीघ्र सामान्य स्थिति निर्माण हो इसके लिए संयुक्त राष्ट्र प्रयत्न करता है। जैसे-विद्यालय आरंभ करना, जनता में मानवाधिकार के संबंध में जागृति निर्माण करना, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक सुविधा निर्माण करना, चुनाव लेना आदि।

* शिक्षकों की सहायता से युगोस्लाविया, नामिबिया, कंबोडिया, सोमालिया, हैती, थाइलैंड आदि राष्ट्रों में संयुक्त राष्ट्र द्वारा चलाई गई शांति रक्षा मुहिम की जानकारी प्राप्त कीजिए।
* संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना के लिए सेना भेजने में कौन-से राष्ट्र अग्रसर हैं, इसकी सूची तैयार कीजिए।

भारतीय शांति सैनिक

संयुक्त राष्ट्र की शांति रक्षा : संघर्षग्रस्त प्रदेशों में स्थायी रूप में शांति निर्माण हो इसके लिए पोषक परिस्थिति निर्माण करने का काम इस उपक्रम द्वारा किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षक संघर्षग्रस्त प्रदेशों में शांति निर्माण करने की दिशा में सहायता करते हैं। संघर्षग्रस्त प्रदेश में सुरक्षा के साथ ही राजनैतिक तथा शांति स्थिरता के लिए सहायता की जाती है। संपूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संवर्धन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा जो अनेक काम किए जाते हैं उनमें शांतिरक्षा एक काम है। इसकी पूरक अन्य कृतियों में निम्नलिखित बातों का समावेश है।

* संघर्ष प्रतिबंध और मध्यस्थ।
* प्रत्यक्ष शांति की स्थापना।
* शांति रक्षा के उपायों पर अमल करना।
* शांति स्थिरता।

संयुक्त राष्ट्र और भारत

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पूर्व जो विविध परिषद हुई थीं उनमें भारत सहभागी हुआ था। निःउपनिवेशीकरण, निरस्त्रीकरण, वंशभेद जैसे अनेक प्रश्न संयुक्त राष्ट्र के मंच पर प्रस्तुत करने में भारत का सहभाग था। संयुक्त राष्ट्र में वर्ष १९४६ में वर्णद्वेष की समस्या प्रस्तुत करने वाला भारत पहला देश था। संयुक्त राष्ट्र के सम्मुख अविकसित और विकासशील राष्ट्रों की समस्या पर हुई चर्चा में भारत ने स्थायी अगुवाई की है। संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में सहभागी होने के लिए भारत ने हमेशा अपनी सेना भेजी है। इतना ही नहीं तो भारत ने केवल स्त्री सैनिकों की सेना भी भेजी है। अंतरराष्ट्रीय संघर्ष शांतिपूर्ण मार्ग से हल हो इसके लिए भारत प्रयत्नशील है, इससे यही दिखाई देता है।

स्वाध्याय

१. दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर कथन पूर्ण कीजिए।

(१) निम्नलिखित में से कौन-सा राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद का स्थायी रूप से सदस्य नहीं है?

(अ) अमेरिका (ब) रूस
(क) जर्मनी (ड) चीन

(२) भारत में बालकुपोषण की समस्या पर उपाय योजना करने हेतु विविध कार्यशाला आयोजित करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थान।

(अ) यूनिसेफ (ब) यूनेस्को
(क) न्यास मंडल (ड) रेडक्रॉस

(३) संयुक्त राष्ट्र संगठन के वर्तमान सदस्य राष्ट्रों की संस्था –

(अ) १९०　　(ब) १९३

(क) १९८　　(ड) १९९

२. निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य सकारण स्पष्ट कीजिए।

(१) आमसभा वैश्विक समस्याओं पर चर्चा करने का मंच है।

(२) संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य राष्ट्रों का स्तर समान नहीं होता।

(३) सुरक्षा परिषद में चीन द्वारा नकाराधिकार का उपयोग करने पर भी प्रस्ताव पारित हो सकता है।

(४) संयुक्त राष्ट्र के कार्य में भारत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

३. निम्नलिखित अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

(१) नकाराधिकार

(२) यूनिसेफ

४. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

(१) संयुक्त राष्ट्र संगठन की स्थापना के कारण लिखिए।

(२) संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना कौन-सी भूमिका निभाती है?

(३) संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य लिखिए।

५. दी गई सूचना के अनुसार कृति कीजिए।

(१) संयुक्त राष्ट्र की घटक शाखाओं के संबंध में जानकारी देने वाली निम्न तालिका पूर्ण कीजिए।

क्र.	शाखा	सदस्य संख्या	कार्य
१.	आमसभा		
२.	सुरक्षा समिति		
३.	अंतरराष्ट्रीय न्यायालय		
४.	आर्थिक तथा सामाजिक परिषद		

(२) संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का कालक्रम निम्न कालरेखा पर दर्शाएँ।

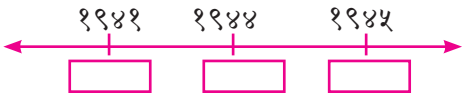

(३) संयुक्त राष्ट्र के संदर्भ में निम्न वृक्ष तालिका पूर्ण कीजिए।

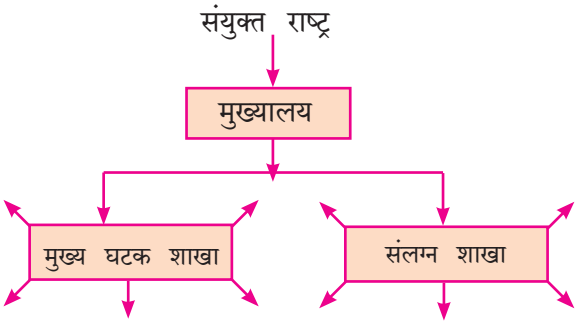

उपक्रम

(१) संयुक्त राष्ट्र बालकों और महिलाओं के विकास के लिए कौन-से उपक्रम कार्यान्वित करता है इसकी जानकारी संकलित कीजिए।

(२) विश्व स्वास्थ्य संगठन के विषय में जानकारी संग्रहित कीजिए।

7IHTXU